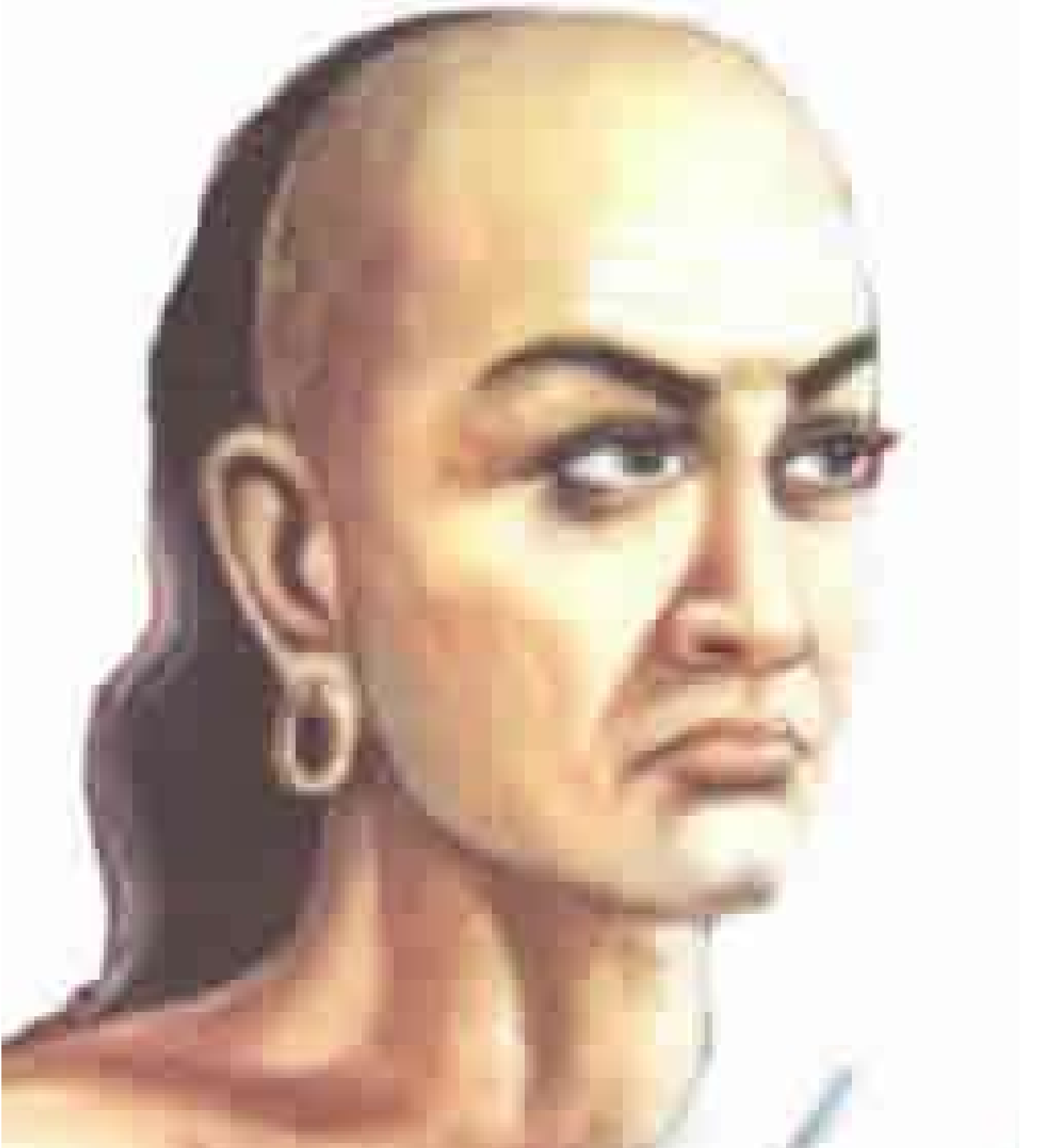


हिंदी साहित्य मार्गदर्शन

TRANSFORMING LIVES





🏠 > Chanakya Neeti > Chanakya Quotes > आचार्य चाणक्य > चाणक्य नीति

चाणक्य नीति [हिंदी में] : नवां अध्याय | Chanakya Neeti [In Hindi]: Ninth Chapter

👤 Nisheeth Ranjan 🕒 7:06 PM

चाणक्य नीति : नवां अध्याय | Chanakya Neeti In Hindi: Ninth Chapter | Chanakya Quotes

तात, यदि तुम जन्म मरण के चक्र से मुक्त होना चाहते हो तो जिन विषयों के पीछे तुम इन्द्रियों की संतुष्टि के लिए भागते फिरते हो उन्हें ऐसे त्याग दो जैसे तुम विष को त्याग देते हो. इन सब को छोड़कर हे तात तितिक्षा, ईमानदारी का आचरण, दया, शुचिता और सत्य इसका अमृत पियो.

My dear child, if you desire to be free from the cycle of birth and death, then abandon the objects of sense gratification as poison. Drink instead the nectar of forbearance, upright conduct, mercy, cleanliness and truth.

वो कमीने लोग जो दूसरों की गुप्त खामियों को उजागर करते हुए फिरते हैं, उसी तरह नष्ट हो जाते हैं जिस तरह कोई साप चींटियों के टीलों में जा कर मर जाता है.

Those base men who speak of the secret faults of others destroy themselves like serpents who stray onto anthills.

शायद किसीने ब्रह्माजी, जो इस सृष्टि के निर्माता है, को यह सलाह नहीं दी की वह ...
सुवर्ण को सुगंध प्रदान करे.
गन्ने के झाड़ को फल प्रदान करे.
चन्दन के वृक्ष को फूल प्रदान करे.
विद्वान् को धन प्रदान करे.
राजा को लम्बी आयु प्रदान करे.

Perhaps nobody has advised Lord Brahma, the creator, to impart perfume to gold; fruit to the sugarcane; flowers to the sandalwood tree; wealth to the learned; and long life to the king.

अमृत सबसे बढ़िया औषधि है.

इन्द्रिय सुख में अच्छा भोजन सर्वश्रेष्ठ सुख है.
नेत्र सभी इन्द्रियों में श्रेष्ठ है.
मस्तक शरीर के सभी भागों में श्रेष्ठ है.

Nectar (amrita) is the best among medicines; eating good food is the best of all types of material happiness; the eye is the chief among all organs; and the head occupies the chief position among all parts of the body.

कोई संदेशवाहक आकाश में जा नहीं सकता और आकाश से कोई खबर आ नहीं सकती. वहाँ रहने वाले लोगों की आवाज सुनाई नहीं देती. और उनके साथ कोई संपर्क नहीं हो सकता. इसीलिए वह ब्राह्मण जो सूर्य और चन्द्र ग्रहण की भविष्य वाणी करता है, उसे विद्वान मानना चाहिए.

No messenger can travel about in the sky and no tidings come from there. The voice of its inhabitants is never heard, nor can any contact be established with them. Therefore the brahmana who predicts the eclipse of the sun and moon which occur in the sky must be considered as a vidwan (man of great learning).

इन सातों को जगा दे यदि ये सो जाए...

१. विद्यार्थी २. सेवक ३. पथिक ४. भूखा आदमी ५. डरा हुआ आदमी ६. खजाने का रक्षक ७. खजांची

The student, the servant, the traveller, the hungry person, the frightened man, the treasury guard, and the steward: these seven ought to be awakened if they fall asleep.

इन सातों को नींद से नहीं जगाना चाहिए...

१. साप २. राजा ३. बाघ ४. डंख करने वाला कीड़ा ५. छोटा बच्चा ६. दुसरे का कुत्ता ७. मुख

The serpent, the king, the tiger, the stinging wasp, the small child, the dog owned by other people, and the fool: these seven ought not to be awakened from sleep.

जिन्होंने वेदों का अध्ययन पैसा कमाने के लिए किया और जो नीच काम करने वाले लोगों का दिया हुआ अन्न खाते हैं उनके पास कौनसी शक्ति हो सकती है. वो ऐसे भुजंगों के समान हैं जो दंश नहीं कर सकते.

Of those who have studied the Vedas for material rewards, and those who accept foodstuffs offered by shudras, what potency have they? They are just like serpents without fangs.

जिसके डाटने से सामने वाले के मन में डर नहीं पैदा होता और प्रसन्न होने के बाद जो सामने वाले को कुछ देता नहीं है. वो ना किसी की रक्षा कर सकता है ना किसी को नियंत्रित कर सकता है. ऐसा आदमी भला क्या कर सकता है.

He who neither rouses fear by his anger, nor confers a favour when he is pleased can neither control nor protect. What can he do?

यदि नाग अपना फना खड़ा करे तो भले ही वह जहरीला ना हो तो भी उसका यह करना सामने वाले के मन में डर पैदा करने को पर्याप्त है. यहाँ यह बात कोई माइना नहीं रखती की वह जहरीला है की नहीं.

The serpent may, without being poisonous, raise high its hood, but the show of terror is enough to frighten people -- whether he be venomous or not.

सुबह उठकर दिन भर जो दाव आप लगाने वाले हैं उसके बारे में सोचे. दोपहर को अपनी माँ को याद करे. रात को चोरो को ना भूले.

Wise men spend their mornings in discussing gambling, the afternoon discussing the activities of women, and the night hearing about the activities of theft. (The first item above refers to the gambling of King Yuddhisthira, the great devotee of Krishna. The second item refers to the glorious deeds of mother Sita, the consort of Lord Ramachandra. The third item hints at the adorable childhood pastimes of Sri Krishna who stole butter from the elderly cowherd ladies of Gokula. Hence Chanakya Pandits advises wise persons to spend the morning absorbed in Mahabharata, the afternoon studying Ramayana, and the evening devotedly hearing the Srimad-Bhagvatam.)

आपको इन्द्र के समान वैभव प्राप्त होगा यदि आप..
अपने भगवान् के गले की माला अपने हाथों से बनाये.
अपने भगवान् के लिए चन्दन अपने हाथों से घिसे.
अपने हाथों से पवित्र ग्रंथों को लिखे.

By preparing a garland for a Deity with one's own hand; by grinding sandal paste for the Lord with one's own hand; and by writing sacred texts with one's own hand -- one becomes blessed with opulence equal to that of Indra.

गरीबी पर धैर्य से मात करे. पुराने वस्त्रों को स्वच्छ रखे. बासी अन्न को गरम करे. अपनी कुरूपता पर अपने अच्छे व्यवहार से मात करे.

Poverty is set off by fortitude; shabby garments by keeping them clean; bad food by warming it; and ugliness by good behaviour.

आठवां अध्याय

दसवां अध्याय

To read the translation of all the chapters of Chanakya Neeti In Hindi you can navigate to the following link which has the compilation of all the chapters in Hindi.

❶ सम्पूर्ण चाणक्य नीति [हिंदी में] | Complete Chanakya Neeti In Hindi

Note: Some thoughts of Chanakya may be offensive to women, or to Hindus born in so called low caste. I believe in complete equality between man and woman and we detest the Hindu caste system. We have decided to publish his thoughts exactly as written by Acharya Chanakya. We apologize to women, and to anyone else, who may be offended.

Categories: Chanakya Neeti 55 Chanakya Quotes 52 आचार्य चाणक्य 21 चाणक्य नीति 21

Next

Previous

चाणक्य नीति [हिंदी में] : दसवां अध्याय | Chanakya Neeti [In Hindi]: Tenth Chapter
(<http://www.hindisahityadarpan.in/2011/12/hindi-chankaya-neeti-chapter10.html>)

शिकागो वक्तृता: धन्यवाद भाषण - 27 सित.1893 | Address At The Final Session [27-Sep-1893]
(<http://www.hindisahityadarpan.in/2011/11/vivekar-chikago-speech-hindi-final-session-address.html>)

POST A COMMENT

आपकी टिप्पणियाँ एवं प्रतिक्रियाएँ हमारा उत्साह बढ़ाती हैं और हमें बेहतर होने में मदद करती हैं !! अपनी प्रतिक्रियाएँ हमें बेझिझक दें !!

😊 Emoticon

Comment as: Unknown (Google)

Sign out

Publish

Preview

☐ Notify me